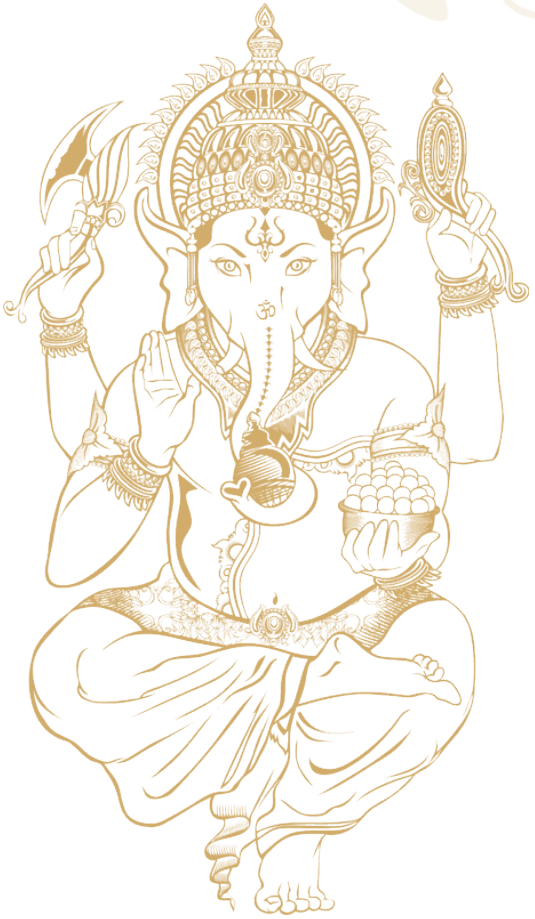

Ranjeeta

09 May 1988

05:45 PM

Hardwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 119767402

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**09/05/1988**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**17:45:00 घंटे**
इष्ट	30:41:30 घटी
स्थान	**Hardwar**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	29:58:00 उत्तर
रेखांश	78:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:27:36 घंटे
वेलान्तर	00:03:35 घंटे
साम्पातिक काल	08:37:42 घंटे
सूर्योदय	05:28:24 घंटे
सूर्यास्त	18:59:44 घंटे
दिनमान	13:31:20 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	25:29:22 मेष
लग्न के अंश	10:30:31 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	ब्रह्म
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गू-गुंजन
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	10:30:31	307:52:20	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			मेष	25:29:22	00:58:00	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	उच्च राशि
चंद्र			कुंभ	01:27:22	14:09:03	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
मंगल			मक	28:06:47	00:39:18	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	उच्च राशि
बुध			वृष	14:29:49	01:35:27	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
गुरु		अ	मेष	20:38:55	00:14:17	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	03:49:40	00:26:15	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
शनि	व		धनु	08:19:15	00:02:37	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
राहु			कुंभ	27:48:22	00:00:35	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
केतु			सिंह	27:48:22	00:00:35	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	06:57:59	00:01:37	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	---
नेप	व		धनु	16:23:47	00:00:51	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	---
प्लूटो	व		तुला	17:22:29	00:01:40	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	13:26:16	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

के.पी. अयनांश : 23:35:28

लग्न-चलित

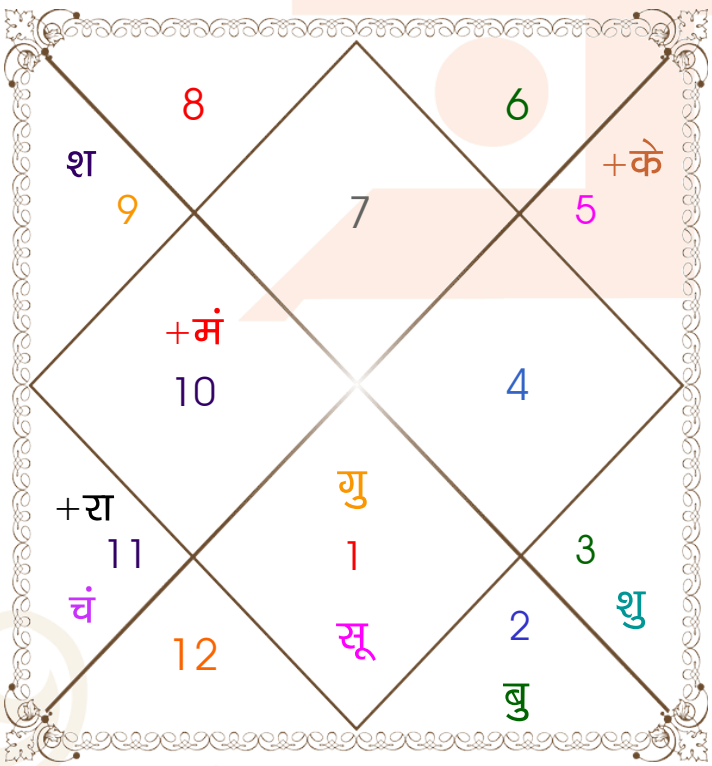

चन्द्र कुंडली

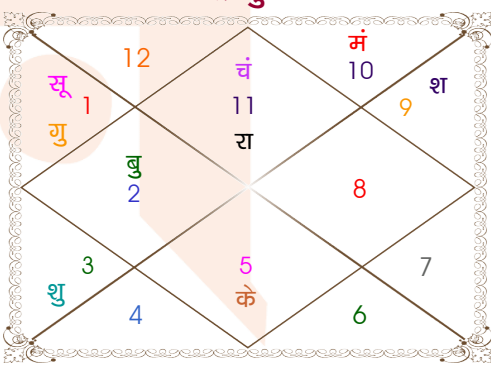

नवमांश कुंडली

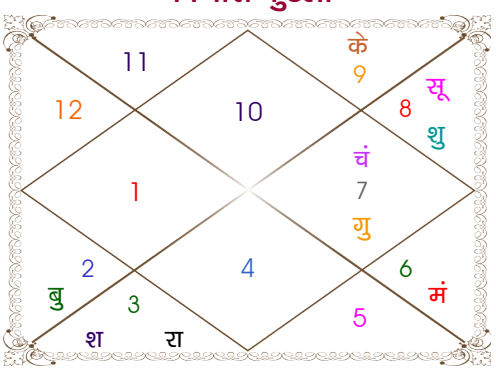

PRANAV ASTRO CANSALTANT
Saharanpur
7037553163
sp1987sre@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 2 वर्ष 8 मास 25 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
09/05/1988		02/02/1991		02/02/2009		02/02/2025		03/02/2044	
02/02/1991		02/02/2009		02/02/2025		03/02/2044		02/02/2061	
	00/00/0000	राहु	16/10/1993	गुरु	23/03/2011	शनि	06/02/2028	बुध	01/07/2046
	00/00/0000	गुरु	10/03/1996	शनि	03/10/2013	बुध	16/10/2030	केतु	29/06/2047
	00/00/0000	शनि	15/01/1999	बुध	09/01/2016	केतु	25/11/2031	शुक्र	28/04/2050
	09/05/1988	बुध	04/08/2001	केतु	15/12/2016	शुक्र	24/01/2035	सूर्य	05/03/2051
बुध	31/07/1988	केतु	22/08/2002	शुक्र	16/08/2019	सूर्य	06/01/2036	चंद्र	03/08/2052
केतु	27/12/1988	शुक्र	22/08/2005	सूर्य	03/06/2020	चंद्र	07/08/2037	मंगल	01/08/2053
शुक्र	27/02/1990	सूर्य	17/07/2006	चंद्र	03/10/2021	मंगल	15/09/2038	राहु	18/02/2056
सूर्य	04/07/1990	चंद्र	15/01/2008	मंगल	09/09/2022	राहु	22/07/2041	गुरु	26/05/2058
चंद्र	02/02/1991	मंगल	02/02/2009	राहु	02/02/2025	गुरु	03/02/2044	शनि	02/02/2061

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
02/02/2061		03/02/2068		03/02/2088		02/02/2094		04/02/2104	
03/02/2068		03/02/2088		02/02/2094		04/02/2104		00/00/0000	
केतु	01/07/2061	शुक्र	04/06/2071	सूर्य	22/05/2088	चंद्र	04/12/2094	मंगल	02/07/2104
शुक्र	31/08/2062	सूर्य	03/06/2072	चंद्र	21/11/2088	मंगल	05/07/2095	राहु	20/07/2105
सूर्य	06/01/2063	चंद्र	02/02/2074	मंगल	29/03/2089	राहु	02/01/2097	गुरु	26/06/2106
चंद्र	07/08/2063	मंगल	04/04/2075	राहु	20/02/2090	गुरु	04/05/2098	शनि	05/08/2107
मंगल	03/01/2064	राहु	04/04/2078	गुरु	10/12/2090	शनि	04/12/2099	बुध	10/05/2108
राहु	21/01/2065	गुरु	03/12/2080	शनि	22/11/2091	बुध	05/05/2101		00/00/0000
गुरु	28/12/2065	शनि	03/02/2084	बुध	27/09/2092	केतु	04/12/2101		00/00/0000
शनि	05/02/2067	बुध	04/12/2086	केतु	02/02/2093	शुक्र	05/08/2103		00/00/0000
बुध	03/02/2068	केतु	03/02/2088	शुक्र	02/02/2094	सूर्य	04/02/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 2 वर्ष 8 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करती रहती हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहती हैं।

आप अपने पति की सभी बातें मानेंगी। आप अपने पति के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करती रहेंगी। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगी। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा महिला हैं।

आपकी आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहती हैं। आप ऐसा चाहती हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहती। आप अपनी वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहती हैं। आप एक शिक्षित महिला की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहती हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करती हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहती है। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगी। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहती हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगी।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।